B.Ed. Sem III
Name of paper : Guidance and Counselling

Topic: Characteristics of Organization of Guidance and counselling Services

By : **Dr. Vishal Dwivedi**
Professor & Head
Dept. of Teacher Education
Y.D.P.G.College, Lakhimpur-Kheri

निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं का संगठन

निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं का संगठन माध्यमिक शिक्षा आयोग 1952-53 में उल्लिखित है –: "यह कुछ विशेषज्ञों का कार्य नहीं है, वस्तुतः यह एक सेवा है जिसमें समस्त शिक्षक वर्ग को इस विशिष्ट क्षेत्र में विशिष्ट ज्ञान और कौशल से युक्त व्यक्तियों के निर्देशन में सहयोग करना चाहिए। इस संदर्भ में निर्देशन केवल व्यवसायिक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है यह युवा समस्याओं के समग्र क्षेत्र को व्याप्त करता है और अभिभावकों, शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, प्रधानाचार्य और निर्देशन अधिकारियों की समझ के समन्वित प्रयास के माध्यम से शिक्षा के सभी स्तरों पर समुचित रूप से प्रदान किया जाना चाहिए।"

विद्यालय में अच्छे निर्देशन सेवा संगठन की विशेषताएं

- विद्यालय में निर्देशन सेवा की उपलब्धता जिससे सभी छात्र लाभान्वित हों।
- अच्छे निर्देशन सेवा संगठन की सुव्यवस्थित व्यवस्था जिससे निर्देशन कार्यक्रम का क्रियान्वयन उचित रूप से हो ।
- अच्छी निर्देशन सेवा संगठन का दायित्व प्रशिक्षित अनुभवी एवं निष्ठावान कर्मचारियों पर होता है। सभी छात्रों के सर्वोत्तम संभावित विकास के लिए कार्य।
- छात्रों की रुचियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप अच्छा निर्देशन सेवा संगठन।
- विशेषज्ञों द्वारा विद्यालय कर्मचारियों के सहयोग से संचालित छात्रों को शैक्षिक व्यवसायिक एवं रोजगार से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु सहायता।
- छात्रों को आत्मज्ञान एवं आत्मनिर्देशन हेतु सहायता प्रदान करना।
- निर्देशन कार्यक्रमों के लिए विद्यालय की समय सारणी में पर्याप्त समय उपलब्ध कराने का प्रावधान।
- विद्यालय बजट में निर्देशन हेतु धन उपलब्ध कराने का उचित प्रावधान।
- विद्यालय परिसर में उपयुक्त स्थान की व्यवस्था।
- विद्यालय में पर्याप्त निर्देशन सामग्री की उपलब्धता।
- विद्यालय में परस्पर सामंजस्य की स्थापना ।